मई, 2023

ध्येय पथ

मासिक ई-पत्रिका

सम्पादक

पुष्पा निषाद
सुबोध कुमार मिश्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर

योग कार्यशाला

03 मई को महाविद्यालय में महर्षि परशुराम जयन्ती के अवसर पर ''सत्य सनातन एवं पराक्रम के प्रतीक भगवान ''परशुराम'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्षता डॉ. आरती सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय अध्यक्ष, इतिहास विभाग तथा आभार ज्ञापन डॉ. आर्चना गुप्ता ने किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

08 मई को महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के तत्वावधान में ''द रिफ्लेक्शन ऑफ साइकोलॉजी : फाइव आसपेक्ट आप पर्सनैलिटी'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता के रूप में बी.आर.बी. कॉलेज, समस्तीपुर बिहार के मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. सुनील कुमार मिश्र ने अपना उद्बोधन विस्तृत रूप से प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभय प्रताप सिंह ने तथा आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया।

महाराणा प्रताप जयन्ती

09 मई को महाविद्यालय द्वारा महाराणा प्रताप जयन्ती के अवसर पर महाविद्यालय में नव निर्मित ओपेन जिम का उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। ओपेन जिम का उद्घाटन मुख्य अतिथि श्री राजेन्द्र प्रसाद ग्राम प्रधान, जंगल धूसड़ के कर कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व ग्रामवासी तथा विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

एक दिवसीय संगोष्ठी

09 मई को महाविद्यालय के इतिहास व राजनीतिशास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में ''स्वाधीनता संघर्ष के अपराजित योद्धा : हिन्दुआ सूर्य महाराणा प्रताप'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता स्व. भगवंत पटेल पानमति देव पी.जी. कॉलेज चन्दरपुर महराजगंज के प्राचार्य डॉ. कन्हैया सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने तथा संयोजन डॉ. अनूप पाण्डेय व श्री हरिकेश यादव ने तथा आभार ज्ञापन श्री हरिकेश यादव ने किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

10 मई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा "1857 की क्रान्ति : भारतीय राष्ट्रीयता की मुखर अभिव्यक्ति" विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के लेफ्टिनेंट रमाकान्त दूबे सहायक आचार्य रक्षा अध्ययन विभाग, ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। संगोष्ठी का संयोजन एवं संचालन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया तथा आभार ज्ञापन सहायक आचाय्र डॉ. अर्चना गुप्ता के द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस

11 मई को महाविद्यालय में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर पर भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान पर श्रीमती शिप्रा सिंह अध्यक्ष बी.एड्. विभाग के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया गया। इस अवसर महाविद्यालय के सभी शिक्षक विद्यार्थी व कर्मचारियों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

12 मई को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''प्रेजेन्टेशन में एनिमेशन की उपयोगिता'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के कम्प्यूटर विभाग के सहायक आचार्य श्री सूरज मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य सुश्री अर्चित चौरसिया द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभाग के सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

13 मई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन भारतीय इतिहास के प्रतिष्ठित इतिहासकार डॉ. देवदत्त रामकृष्ण भण्डारकर के पुण्यतिथि पर महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता विभाग प्रभारी डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

एक दिवसीय संगोष्ठी

13 मई को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा ''अपशिष्ट प्रबन्धन एवं वायु प्रदूषण तकनीकि'' विषय पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी के मुख्य वक्ता महाविद्यालय के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्या ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने व आभार ज्ञापन सुश्री अर्चिता चौरसिया ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया।

ग्राम दर्शन कार्यक्रम

14 मई को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम दर्शन योजना के अन्तर्गत नवका टोला में ग्राम श्रमण किया गया। इस कार्यक्रम में पोषण मूल्यांकन विषय के आलोक में जन–जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर गाँव में निःशुल्क हेल्थ कैम्प का आयोजन किया गया। हेल्थ कैम्प के मुख्य चिकित्सक के रूप में गुरू श्रीगोरखनाथ चिकित्सालय के चिकित्सक डॉ. जे.के. मिश्रा एवं सहायक श्री मृत्युंजय यादव ने जाँच कर निःशुल्क दवाईयों का वितरण किया। इस कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी, सुश्री अर्चिता चौरसिया, प्रयोगशाला सहायक श्रीमती नीतू साहनी सहित 15 छात्राएं भी उपस्थित रही।

कार्ड मेंकिग प्रतियोगिता

15 मई को महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा इण्टरनेशल फैमिली डे के अवसर पर कार्ड मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगता में कुल 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की इशिका श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की वर्तिका यादव को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की शीतल शर्मा को तृतीय स्थान एवं बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की वन्दना चौहान को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द मौर्या एवं अंग्रेजी विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शिवानी सिंह जी रही। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. दीपशिखा नागवंशी ने किया। आभार ज्ञापन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

तीन दिवसीय कार्यशाला

22 मई को महाविद्यालय के बी.एड् विभाग द्वारा ''पाठयोजना का प्रारूप'' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोज किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिवस पर मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने पाठ्योजना के प्रारूप पर चर्चा की। इस अवसर पर बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 46 विद्यार्थी एव शिक्षक भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला का दूसरा दिन

23 मई को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा ''पाठयोजना का प्रारूप'' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन पाठयोजना के प्रारूप पर चर्चा की गई। कार्यशाला के दूसरे दिन के मुख्य वक्ता बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने पाठ योजना के प्रारूप पर बारीकी से अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के 50 विद्यार्थी एवं शिक्षक भी उपस्थित रहे।

कार्यशाला का तीसरा दिन

24 मई को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा ''पाठयोजना का प्रारूप'' विषय पर तीन दिवसीय कार्यशाला के तीसरे व अन्तिम दिन पाठयोजना के प्रारूप व महत्व विषय पर चर्चा की गई। कार्यशाला के तीसरे दिन के मुख्य वक्ता के रूप में विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के 56 विद्यार्थी सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

व्याख्यान कार्यक्रम

25 मई को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा विश्व थायराइड दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. आर. एन. सिंह ने और संचालन सुश्री पूजा गुप्ता बी.एस–सी. चतुर्थ सेमेस्टर ने किया। आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. आर. एन. सिंह ने किया।

कैंपस सलेक्शन

27 मई को महाविद्यालय में कैंपस सलेक्शन का आयोजन किया गया। कैंपस सलेक्शन चयन बोर्ड में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद तत्वावधान में आयोजित कैंपस सलेक्शन चयन बोर्ड में प्रो. राजेन्द्र भारती, सेवा निवृत्त आचार्य राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड़गवासला पुणे, श्री मनीष दूबे प्रधानाचार्य गुरू श्रीगोरक्षनाथ विद्यापीठ, भरोहिया गोरखपुर एवं सुश्री कृष्णा चर्टजी, प्रधानाचार्या महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाईन, गोरखपुर उपस्थित रहे। कैंपस सलेक्शन के प्रथम चरण में लिखित परीक्षा का आयोजन किया गया। उसके बाद विद्यार्थियों का साक्षात्कार लिया गया। इस कैंपस सेलेक्शन कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह विभागाध्यक्ष बी.एड्. विभाग ने किया।

सम्मान समारोह

30 मई को महाविद्यालय की पूर्व छात्रा सुश्री दृष्टि जायसवाल का यू.पी.एस.सी. –2022 की परीक्षा में चयनित होने के क्रम में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला, पुणे के भौतिकी विभाग के पूर्व आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती व कार्यक्रम अध्यक्ष के रूप में मेजर जनरल अतुल बाजपेई जी रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक विद्यार्थी व कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

भारतीय नभमण्डल के धार्मिक-आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राजनैतिक क्षितिज के दैदीप्यमान नक्षत्र युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज नें पूर्वांचल के शैक्षणिक विकास एवं भारतीय संस्कृति, परम्परा, सनातन ज्ञान-विज्ञान एवं कौशल से ओत-प्रोत शिक्षा के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से सन् 1932 ई. में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना की थी। सिद्ध गोरक्षपीठ एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित महाराणा प्रताप महाविद्यालय पूर्वांचल के शिक्षा क्षेत्र की एक अग्रणी संस्था है । महाविद्यालय के मासिक गतिविधियों का एक संक्षिप्त संकलन ''ध्येय पथ'' नाम से मासिक ई-पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया जा रहा है। इसी क्रम में मई माह की मासिक ई-पात्रिका ध्येय-पथ आप सभी के अवलोकनार्थ प्रस्तुत है।

नैक द्वारा प्रत्यायित श्रेणी ''बी''

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर-273014